चलो सखी यमुना किनारे (महारास)

धुनः परदेसीयों से न अखीयां मिलाना

चलो चलो चलो सखी यमुना किनारे।
यमुना किनारे आए श्रीकृष्ण प्यारे॥

महारास रचने आए सांवरिया।
ले ले नाम, पुकारे बांसुरिया॥
आज साक्षात होंगे मिलन हमारे - चलो चलो...

इन्द्रियों ने किया जो रस पान है।
उसी कृष्ण रस का हो रहा ध्यान है॥
मन में बसे मनमोहन मुरली वारे- चलो चलो...

'मधुप' सखी हम, बड़े भाग्य वारे हैं।
चित चिंतन जा के श्रीश्याम प्यारे हैं॥
जीवन सफल हो गए हैं हमारे - चलो चलो...

कवि : सुप्रसिद्ध लेखक एवं संकीर्तनाचार्य श्री केवल कृष्ण **'मधुप'** (मधुप हरि जी महाराज) अमृतसर (9814668946)

https://www.bhajanganga.com/bhajan/lyrics/id/33951/title/chalo-chalo-chalo-sakhi-Yamuna-kinrare--maharas-

अपने Android मोबाइल पर BhajanGanga App डाउनलोड करें और भजनों का आनंद ले |